बेल वाली सब्जियों में फल मक्खी का एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक द्वारा किसानों के सहयोग से नियंत्रण

फल मक्खी बेल वाली सब्जियों का एक मुख्य कीट है जिसके कारण फसल उत्पादन पर काफी विपरित प्रभाव पड़ता है। इन सब्जियों में "एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक" द्वारा फल मक्खी के नियंत्रण हेतू **बागवानी विभाग, हरियाणा व राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केंद्र, पूसा, नई दिल्ली** द्वारा करनाल जिले के चयनित गावों पद्याना, समोरा, संधीर एवं गांगर में प्रायोगिक आधार (pilot basis) पर परियोजना की शुरूआत की गई।

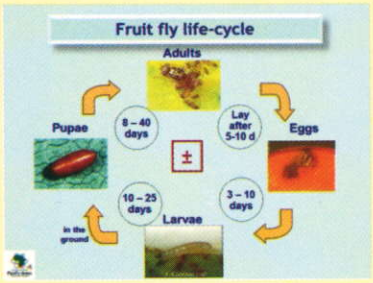

उद्देश्य:

- गांव स्तर पर किसानों की भागीदारी से बेल वाली सब्जियों में फल मक्खी के नियंत्रण के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक का प्रभावी प्रदर्शन।
- एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक द्वारा फल मक्खी के प्रबंधन व प्रभाव का अध्ययन करना।
- एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक को व्यापक क्षेत्र के दृष्टिगत बढ़ावा देना।

एकीकृत कीट प्रबंधन तकनीक द्वारा फल मक्खी का नियंत्रण:

- बेल वाली सब्जियों में फूल आने से पहले फल मक्खी के व्यापक क्षेत्र में प्रभावी नियंत्रण के लिए सस्ते (क्यू ल्यूर) ट्रैप्स जोकि इस्तेमाल की गई पानी की खाली बोतलों से तैयार करके खेत में लगाए जाते है। एक हैक्टेयर क्षेत्र में लगभग 25 ट्रैप्स लगाए जाते हैं।
- जमीन में फल मक्खी के प्यूपा को नष्ट करने के लिए मिटटी की ऊपरी सतह को खुरचें ताकि सूर्य के प्रकाश से प्यूपा नष्ट किया जा सके।
- फल मक्खी के उचित नियंत्रण के लिए पेड़ों पर लगे हुए फलों को पेपर बैग से लपेटना।
- सभी खराब व गले–सड़े फलों को इक्ट्ठा करके जमीन में दबाना।
- नर व मादा दोनों फल मक्खियों को बैट एप्लिकेशन तकनीक (BAT) द्वारा चारा बनाकर (0.1 % कीटनाशक और 10 % गुड़ या 10 पके केले का प्रयोग) प्रभावी तरीके से नियंत्रण करना।
- नीम का तेल (1500 पीपीएम) उपयोग करना। फल मक्खियां इस मिश्रण की ओर शीघ्र आर्कषित होती है जिससे उनका नियंत्रण प्रभावी ढंग से किया जाता है।
- आवश्यकतानुसार मैलाथियान (0.005%) कीटनाशक का छिड़काव कम अंतराल पर आवश्यकता अनुसार करके फल मक्खी का प्रबंधन करना।

उद्यान विभाग हरियाणा, पंचकूला

और

राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केंद्र, पूसा, नई दिल्ली